भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 214**
उत्तर देने की तारीख 25.11.2024

**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**

**214. श्री के. सी. वेणुगोपाल :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त केन्द्रों की स्थापना के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं और ये केन्द्र किन-किन राज्यों में स्थापित किए गए हैं/किए जाएंगे;

(ग) सरकार द्वारा उक्त केन्द्रों की स्थापना के लिए स्वीकृत और जारी की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए अतिरिक्त कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख) :जी, हां। भारत सरकार ने देश भर में लोक कला एवं संस्कृति के विभिन्न रूपों को संरक्षित, संवर्धित और परिरक्षित करने और उसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृतियों का विकास करने के लिए कार्य तंत्र स्थापित करने हेतु देश में सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला (पंजाब), नागपुर (महाराष्ट्र), उदयपुर (राजस्थान), प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), दीमापुर (नागालैंड) और तंजावुर (तमिलनाडु) में स्थित हैं। इन जेडसीसी को स्थापित करने का अधिदेश था, इनमें सम्मिलित क्षेत्रों की विशिष्टता को कायम रखते हुए देश को सांस्कृतिक

रूप से एक सूत्र में बांधे रखना। इन जेडसीसी को स्थापित करने के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- संबंधित क्षेत्र में कलाओं के प्रदर्शन और प्रसार को परिरक्षित एवं संवर्धित करना;
- उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का विकास और संवर्धन करना;
- लोक एवं जनजातीय कलाओं को बढ़ावा देना और लुप्तप्राय कलाओं के परिरक्षण में सहायता करना;
- युवाओं को सृजनात्मक सांस्कृतिक संचार में शामिल करना और विभिन्न क्षेत्रों के बीच संयोजन और भारतीय संस्कृति में उनके योगदान पर विशेष बल देना।

(ग): प्रत्येक जेडसीसी को भवनों सहित उपकरणों और अवसंरचना की लागत के लिए एक समग्र निधि प्रदान की गई थी। भारत सरकार द्वारा 7वीं और 10वीं योजना में सातों जेडसीसी में से प्रत्येक को 10.00 करोड़ रुपये प्रदान किए गए थे। वर्ष 2014-15 के दौरान, समग्र निधि में संवर्धन के लिए छः (6) जेडसीसी यथा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला; दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, तंजावुर; दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर; पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर; उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज और पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, कोलकाता को 10.00 करोड़ रुपये प्रति जेडसीसी और उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनईजेडसीसी) को 20.00 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई जिससे एनईजेडसीसी, दीमापुर हेतु कुल समग्र निधि 30.00 करोड़ रुपये और शेष छः जेडसीसी हेतु 20.00 करोड़ रुपये प्रति जेडसीसी हो गई। इन जेडसीसी के सभी प्रशासनिक व्यय इस समग्र निधि पर अर्जित ब्याज द्वारा पूरे किए जाते हैं। प्रत्येक केन्द्र के लिए अपेक्षित भूमि, राज्य सरकारों द्वारा नि:शुल्क प्रदान की गई थी जिन पर इन जेडसीसी के मुख्यालय अवस्थित हैं।

(घ): देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, ये जेडसीसी नियमित आधार पर वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलाप और कार्यक्रम आयोजित करते हैं और इस उद्देश्य के लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय इन जेडसीसी के माध्यम से राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) भी आयोजित करता है जहां पूरे भारत से कलाकारों को बड़ी संख्या में इन कार्यक्रमों के दौरान अपनी प्रतिभाएं प्रदर्शित करने के लिए शामिल किया जाता है। नवम्बर 2015 के बाद से संस्कृति मंत्रालय द्वारा पूरे देश में चौदह (14) आरएसएम और चार (04) क्षेत्रीय स्तर के आरएसएम आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, इन जेडसीसी द्वारा कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष कम से कम 42 क्षेत्रीय महोत्सव आयोजित किए जाते हैं।

*****